पाठ - चावल की रोटियाँ

शब्दार्थ -

1. प्रबंधक - व्यवस्था करने वाला
2. दस्तक देना - दरवाजा खटखटाना
3. भुक्खड़ - बहुत भूखा
4. पेट में चूहे दौड़ना - बहुत भूख लगना
5. तलाशी - खोजबीन
6. इर्द-गिर्द - आसपास
7. बदकिस्मती - दुर्भाग्य
8. जीभ फेरकर - जीभ चटपटाकर
9. नेकी - भलाई
10. खुशकिस्मती - सौभाग्य
11. जिस्म - शरीर
12. यकीन - विश्वास

नाटक की बात

प्रश्न 1. नाटक में हिस्सा लेने वालों को पात्र कहते हैं। जिन पात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है उन्हें मुख्य पात्र और जिनकी भूमिका ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं होती है उन्हें 'गौण पात्र' कहते हैं। बताओ इस नाटक में कौन-कौन मुख्य और गौण पात्र कौन हैं?

2. पात्रों को जो बात बोलनी होती है उसे संवाद कहते हैं। क्या तुम किसी एक परिस्थिति के लिए संवाद लिख सकती हो? (इसके लिए तुम टोलियों में भी काम कर सकती हो।) उदाहरण के लिए खो-खो या कबड्डी जैसा कोई खेल-खेलते समय दूसरे दल के खिलाड़ियों से बहस।

3. कभी-कभी आपने कोई चीज़ या बात दूसरों से छिपाई है या छिपाने की कोशिश की है, उस समय क्या-क्या हुआ था?

4. कहते हैं, एक झूठ छिपाने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं। क्या तुम्हें कहानी पढ़कर ऐसा लगता है? कहानी की मदद से इस बात को समझाओ।

उत्तर:

1. इस नाटक में कोको महत्वपूर्ण भूमिका में है। अतः उसे नाटक का मुख्य पात्र कहेंगे। बाकी सभी-नीनी, मिमि, तिन सू और उ बा तुन गौण पात्र हैं।

2. **संवाद:**

अमन: (गुस्से में) तूने मुझे धक्का क्यों दिया?

विक्रम: मैंने तुम्हें छुआ भी नहीं! तू खुद गिर गया।

egyanarchive

अमन: झूठ मत बोल! मैंने तुझे धक्का देते हुए देखा।

विक्रम: (रेफरी की ओर इशारा करते हुए) रेफरी साहब, क्या आपने मुझे धक्का देते हुए देखा?

रेफरी: नहीं, मैंने ऐसा कुछ नहीं देखा।

अमन: (रेफरी से) आपने सही नहीं देखा! उसने मुझे ज़ोर से धक्का दिया।

विक्रम: (अमन को धमकाते हुए) चुप रह! नहीं तो मैं तुझे...

रेफरी: (दोनों खिलाड़ियों को बीच में रोकते हुए) शांत रहो! आप दोनों में से कोई भी आउट नहीं है। खेल जारी रहेगा।

अमन: (गुस्से में) ठीक है, लेकिन मैं तुम्हें छोड़ूंगा नहीं।

विक्रम: (चुनौती देते हुए) हाँ, कर जो करना है।

रेफरी: (दोनों खिलाड़ियों को चेतावनी देते हुए) अगर आप दोनों ने फिर से बहस की तो आपको खेल से बाहर कर दिया जाएगा।

अमन और विक्रम: (एक दूसरे को घूरते हुए) ठीक है।

(खेल जारी रहता है।)

अंत में:

खेल के बाद, अमन और विक्रम हाथ मिलाते हैं और एक दूसरे से माफी मांगते हैं। वे समझते हैं कि खेल में बहस करना गलत है।

नैतिकता:

खेल में हार-जीत होती रहती है। हमें खेल भावना का सम्मान करना चाहिए और बहस नहीं करनी चाहिए।

3. एक बार मेरा एक दोस्त मुझसे फुटबॉल माँगने आया। मैं देना नहीं चाहता था क्योंकि मुझे पता था कि वह उसकी हवा निकालकर मेरे पास लौटाने आएगा। वह कई दोस्तों के फुटबॉलों के साथ ऐसा कर चुका था। अतः मैंने बहाना बनाया कि फुटबॉल मेरा छोटा भाई लेकर खेलने चला गया है।

4. हाँ, यह बात बिल्कुल सही है कि एक झूठ छिपाने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ जाते हैं। ऐसा ही कुछ इस नाटक , में हुआ है। कोको को चावल की रोटियाँ बहुत पसंद हैं। अतः वह सभी चारों रोटियाँ स्वयं खाना चाहता है। लेकिन संयोग ऐसा होता है कि जब-जब वह रोटियाँ खाने बैठता है, उसका कोई-न-कोई दोस्त आ जाता है। वह रोटियाँ उनके साथ बाँटकर नहीं खाना चाहता है और उन्हें छिपाने की कोशिश में कई झूठ बोलता है, जैसे-उसका पेट भरा है, रेडियो खराब है, घर में चूहा है, माँ को फूलों से एलर्जी है, आदि।

एक चावल कई-कई रूप

प्रश्न 1. कोको की माँ ने उसके लिए चावल की रोटियाँ बनाकर रखी थीं। भारत के विभिन्न प्रांतों में चावल अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल किया जाता है-भोजन के हिस्से के रूप में भी और नमकीन और मीठे पकवान के रूप में भी। तुम्हारे प्रांत में चावल का इस्तेमाल कैसे होता है? घर में बातचीत करके पता करो और एक तालिका बनाओ। कक्षा में अपने दोस्तों की तालिका के साथ मिलान करो तो पाओगी कि भाषा, कपड़ों और रहन-सहन के साथ-साथ खान-पान की दृष्टि

egyanarchive

से भी भारत अनूठा है।

उत्तर:

हमारे प्रांत दिल्ली में चावल का इस्तेमाल निम्नलिखित चीजें बनाने में होता है-

- खाने में प्रयुक्त सादा चावल
- नमकीन पुलाव
- मीठा पुलाव
- रोटी

प्रश्न 2. अपनी तालिका में से चावल से बनी कोई एक खाने की चीज़ बनाने की विधि पता करो और उसे नीचे दिए गए बिंदुओं के हिसाब से लिखो।

1- सामग्री

2- तैयारी

3- विधि

उत्तर: चावल का नमकीन पुलाव बनाने की विधि -

सामग्री- चावल, गोभी, मटर, गाजर, आलू, धनिया पत्ता।

विधि- सबसे पहले सभी सब्जियों को (धनिया पत्ता नहीं) अच्छी तरह धोकर काट लो। फिर चावल को धोकर हल्का सुखा लो। फिर उसे घी में भूनकर निकाल लो। अब कटी सब्जियों को घी में भूनो। भूनते समय उसमें नमक, मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर व इलाइची डालो। जब उनका रंग सुनहला हो जाए तो उसमें चावल को डालकर थोड़ी देर फिर भूनो। अब प्रेशर कुकर में अंदाज से पानी चढाओ। जब पानी गर्म हो जाए तो उसमें कड़ाही की सामग्री डाल दो। फिर उसे बंद कर दो। एक सीटी के बाद उतार लो। थोड़ी देर बाद गर्मागरम परोसो। चाहो तो ऊपर में धनिया पत्ता बारीक-बारीक काटकर पुलाव पर फैला दो।

egyanarchive

प्रश्न 3. "कोको के माता-पिता धान लगाने के लिए खेतों में गए।"

कोको की माँ ने उसके लिए चावल की रोटियाँ बनाई।"

एक ही चीज़ के विभिन्न रूपों के अलग-अलग नाम हो सकते हैं। नीचे ऐसे कुछ शब्द दिए गए हैं। उनमें अंतर बताओ।

चावल, धान, भात, मुरमुरा, चिउड़ा

साबुत दाल, धुली दाल, छिलका दाल

गेहूँ, दलिया, आटा, मैदा, सूजी

उत्तर:

• चावल – धान से निकला दाना चावल होता है।

• धान – छिलका लगे चावल को धान कहते हैं।

• भात – पका हुआ चावल भात कहलाता है।

• मुरमुरा चावल या धान का भूना हुआ रूप मुरमुरा कहलाता है।
• चिउड़ा – धान को भिगोकर या उबालकर कूटने से चिउड़ा तैयार होता है।
• साबुत दाल – छिलके वाली दाल जो टुकड़ों में नहीं है।
• धुली दाल – टूटी हुई बिना छिलके वाली दाल।
• छिलका दाल – टूटी हुई छिलके वाली दाल
• गेहूँ – गेहूँ साबुत दाना होता है।
• दलिया – गेहूँ के दानों को दलकर दलिया बनाया जाता है।
• आटा – गेहूँ के दानों को पीसकर आटा बनाया जाता है।
• मैदा – गेहूँ के दानों को बहुत ही अधिक बारीक पीसकर मैदा बनाया जाता है।

के, में, ने, को, से…

कोको की माँ ने कल दुकान से एक फूलदान खरीदा था।"

ऊपर लिखे वाक्य में जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है वे वाक्य में शब्दों को आपस में संबंध बताते हैं। नीचे एक मजेदार किताब "अनारको के आठ दिन" का एक अंश दिया गया है। उसके खाली स्थानों में इस प्रकार के सही शब्द लिखो।

उत्तर:

अनारको एक लड़की है। धर के लोग उसे अन्नो कहते हैं। अन्नो नाम छोटा जो है, सो उस से हुक्म चलाना आसान होता है। अन्नो, पानी ले आ, अन्नो धूप में मत जाना, अन्नो बाहर अँधेरा है-कहीं मत जा, बारिश में भीगना मत, अन्नो! और कोई बाहर से घर में आए तो घर वाले कहेंगे-ये हमारी अनारको है, प्यार से हम इसे अन्नो कहते हैं। प्यार से हुँ-ह-ह!

आज अनारको सुबह सोकर उठी तो हाँफ रही थी। रात सपने में बहुत बारिश हुई। अनारको ने याद किया और उसे लगा, आज के सपने में जितनी बारिश हुई उतनी तो पहले के सपनों में कभी नहीं हुई। कभी नहीं। जमके बारिश हुई थी आज के सपने में और जमकर उसमें भीगी थी अनारको। खूब उछली थी, कूदी थी, चारों तरफ पानी छिटकाया था और खूब-खूब भीगी थीं।

egyanarchive